ईरान युद्ध के बीच टाटा और वेदांता के शेयर बन सकते हैं मुनाफे की मशीन!

मिडिल ईस्ट के तनाव ने दुनियाभर में एल्युमिनियम और स्टील की सप्लाई बिगाड़ दी है. लेकिन ग्लोबल ब्रोकरेज CLSA के मुताबिक, इस विदेशी संकट ने भारतीय कंपनियों की लॉटरी लगा दी है. कच्चे माल के मामले में आत्मनिर्भर 'टाटा स्टील' और 'वेदांता' को इस उथल-पुथल का सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा. ग्लोबल कीमतें बढ़ने से इनके शेयरों में बंपर कमाई की उम्मीद है.

विज्ञापन

See More From Us On

Click on allow to subscribe to notifications
Stay updated with the latest happenings on our site

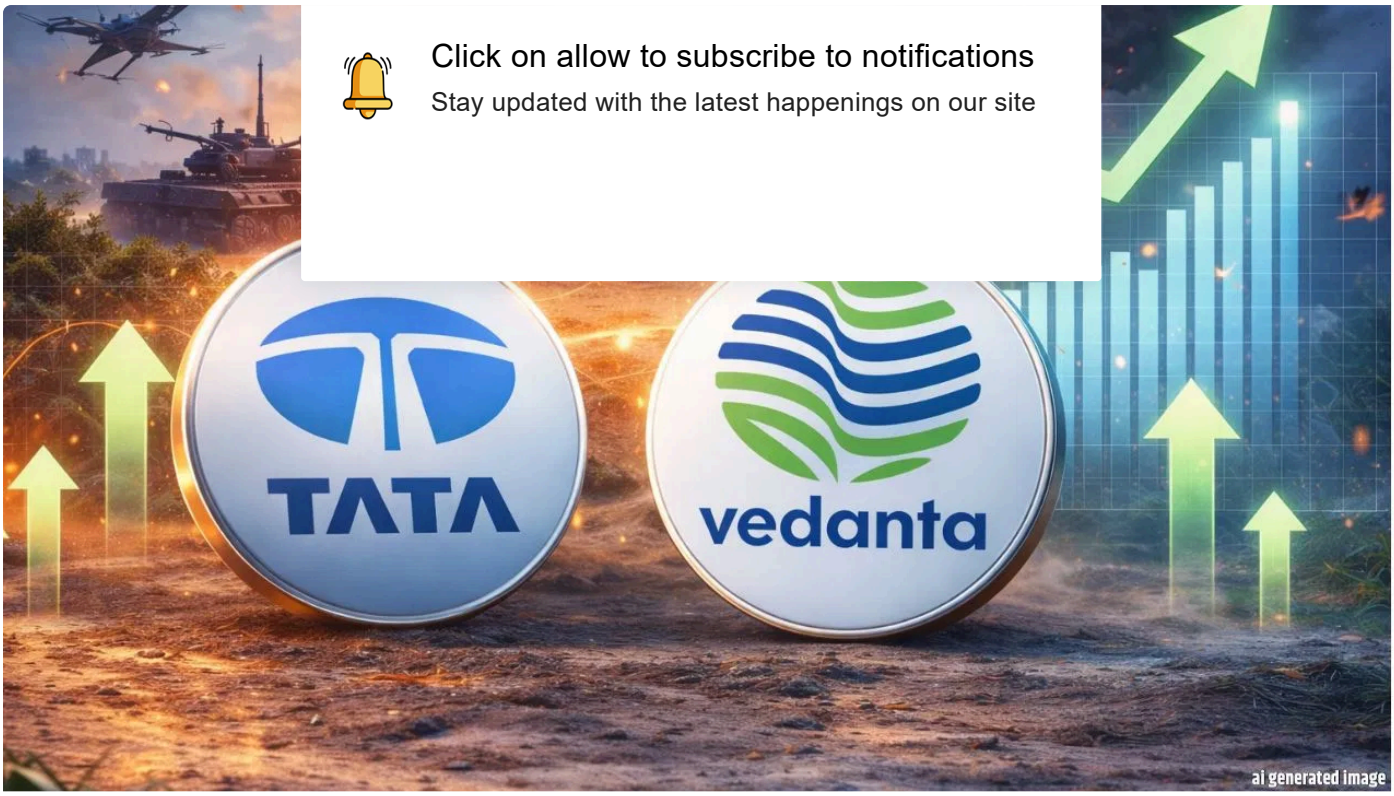

टाटा और वेदांता के शेयरों में आएगी बहार!

Image Credit source: ai generated

TV9 Bharatvarsh Updated on: Mar 09, 2026 1:26 PM IST

SHARE

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव ने वैश्विक स्तर पर कई व्यावसायिक समीकरण बदल दिए हैं. इसका असर कई देशों की अर्थव्यवस्था तक पहुंच रहा है. मशहूर ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए (CLSA) की एक रिपोर्ट के अनुसार, युद्ध के कारण पैदा हुई इस उथल-पुथल ने एल्युमिनियम और स्टील जैसे अहम मेटल्स को एक नए मोर्चे पर खड़ा कर दिया है. दुनिया भर में सप्लाई चेन बिगड़ने के कारण कमोडिटी की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं. लेकिन दिलचस्प बात यह है कि इस वैश्विक संकट के बीच भारतीय मेटल कंपनियों, विशेषकर वेदांता और टाटा स्टील के लिए एक बड़ा और लाभकारी अवसर पैदा हो रहा है.

विज्ञापन

See More From Us On

मेनू फोटो रील वीडियो न्यूज़ ब्रीफ

एल्युमिनियम बाज

Click on allow to subscribe to notifications
Stay updated with the latest happenings on our site

मध्य पूर्व का इलाका दु फीसदी हिस्सा संभालता है. यह करीब किया जाता है. युद्ध के कारण इस सप्लाई तावनी देती है कि वहां का एक बड़ा स्मेल्टर (धातु गलाने का कारखाना) पहले ही अपना उत्पादन रोक चुका है. किसी भी एल्युमिनियम प्लांट को बंद करना और फिर से चालू करना एक बेहद खर्चीली और लंबी प्रक्रिया होती है.

ये भी पढ़ें

वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया के लिए BCCI का बड़ा ऐलान, मिलेगा 100 करोड़ से भी ज्यादा का इनाम

US-Iran War: ट्रंप के बयान से पलटा खेल, एक झटके में सस्ता हुआ कच्चा तेल

'तुम कुछ मत करना यार, बिट्टी का ख्याल रखना...', मैरिज एनिवर्सरी मनाई, फिर 24 घंटे बाद पत्नी ने दे दी जान

विशेषज्ञ इस स्थिति की तुलना 2022 के यूरोपियन ऊर्जा संकट से कर रहे हैं. यदि गैस की सप्लाई में और बाधा आती है, तो वैश्विक बाजार में एल्युमिनियम की भारी कमी हो सकती है, जिससे इसकी कीमतें आसमान छूने लगेंगी. इसका सीधा असर ऑटोमोबाइल से लेकर निर्माण क्षेत्र की लागत पर पड़ेगा.

विज्ञापन

See More From Us On

मेनू फोटो रील वीडियो न्यूज़ ब्रीफ

Click on allow to subscribe to notifications
Stay updated with the latest happenings on our site

वेदांता को होगा सबसे ज्यादा फायदा

जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे माल की किल्लत होती है और ऊर्जा महंगी हो जाती है, तो उन कंपनियों को सबसे ज्यादा मुनाफा होता है जो अपनी जरूरत का कच्चा माल खुद जुटाने में सक्षम होती हैं (बैकवर्ड इंटीग्रेशन). सीएलएसए का मानना है कि वेदांता इस मामले में सबसे मजबूत स्थिति में है. कंपनी का कारोबार एल्युमिनियम, जिंक और तेल जैसे कई क्षेत्रों में फैला हुआ है. इस कारण वे बिना बाहरी दबाव के अपने उत्पाद ऊंचे दामों पर बेच सकते हैं. इसी आधार पर ब्रोकरेज ने वेदांता के शेयर की कीमत (फेयर वैल्यू) 835 रुपये से बढ़ाकर 1,030 रुपये कर दी है.

हिंडाल्को को मिलेगा कम फायदा

दूसरी तरफ, एल्युमिनियम की दिग्गज कंपनी हिंडाल्को को इस तेजी का सीमित फायदा ही मिल पाएगा. दरअसल, हिंडाल्को ने अपनी भविष्य की बिक्री का एक बड़ा हिस्सा पहले ही पुरानी और कम कीमतों पर फिक्स (हेजिंग) कर लिया है. इसके अलावा, यूरोप में गैस की बढ़ती कीमतों का उनकी विदेशी उत्पादन इकाइयों पर सीधा और नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है.

टाटा स्टील बना सुरक्षित दांव

स्टील सेक्टर की कहानी थोड़ी अलग और गहरी है. युद्ध के कारण माल ढुलाई (फ्रेट) महंगी हो गई है और कोकिंग कोल (स्टील बनाने में इस्तेमाल होने वाला कोयला) के वैश्विक व्यापार के रास्ते बदल रहे हैं. इस माहौल में टाटा स्टील सबसे बड़े विजेता के रूप में उभर रही है. इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि टाटा स्टील के पास लौह अयस्क (आयरन ओर) की अपनी खदानें हैं, जो उन्हें कच्चे माल के महंगे होने वाले झटके से बचाती हैं.

वहीं, जेएसडब्ल्यू स्टील और जिंदल स्टील जैसी कंपनियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है. ये कंपनियां आयातित कोयले पर ज्यादा निर्भर हैं और भारी कर्ज के कारण इनके मुनाफे में उतार-चढ़ाव आ सकता है. हालांकि, भारत में आयात पर लगने वाले सेफगार्ड ड्यूटी, यूरोप के नए कार्बन टैक्स (CBAM) और चीन में उत्पादन पर लगी रोक के कारण स्टील की कीमतें एक तय सीमा से नीचे नहीं गिरेंगी.

Disclaimer:ये आर्टिकल सिर्फ जानकारी के लिए है और इसे किसी भी तरह से सलाह के रूप में नहीं माना जाना चाहिए. TV9 भारतवर्ष अपने पाठकों और दर्शकों को पैसों से जुड़ा कोई भी फैसला लेने से पहले अपने वित्तीय सलाहकारों से सलाह लेने का सुझाव देता है.

See More From Us On